नईदुनिया

जगदीशपुर में कैबिनेट बैठक....

विरासत संरक्षण और विकास पर मुख्यमंत्री का जोर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जगदीशपुर गोंड राजवंश के साथ-साथ सिंधिया और राजपूत शासनकाल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। प्रदेश सरकार ने इस ऐतिहासिक धरोहर के सम्मान और संरक्षण के उद्देश्य से जगदीशपुर दुर्ग में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की, जो समानता और न्याय की भावना को समर्पित रही। बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को संबोधित करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, विकास योजनाओं और कृषि से जुड़े मुद्दों पर भी विचार साझा किए।

मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से नवसंवर्धित जगदीशपुर किले का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दुर्ग के इतिहास और संरक्षण कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। बैठक की शुरुआत वंदे मातरम् के साथ हुई तथा मंत्रियों का गोंड पेंटिंग भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार महान विभूतियों और ऐतिहासिक स्थलों से जुड़े स्थानों पर मंत्रिपरिषद की विशेष बैठकें आयोजित कर गौरवशाली इतिहास को सम्मान देने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इससे पहले जबलपुर, सिंग्रामपुर, महेश्वर, इंदौर, पचमढ़ी, खजुराहो और नागलवाड़ी जैसे स्थानों पर भी विशेष कैबिनेट बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

उन्होंने स्लीमनाबाद वाटर टनल परियोजना को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसके पूरा होने से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी सहित कई जिलों में सिंचाई और पेयजल की सुविधा का विस्तार होगा। लगभग ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का लाभ मिलने की उम्मीद है और आगामी दो से तीन माह में परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में वर्षा की स्थिति की समीक्षा करते हुए बताया कि अब तक आठ जिलों में सामान्य से अधिक, 23 जिलों में सामान्य तथा 23 जिलों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और आवश्यकता अनुसार सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

ई-बस से जगदीशपुर पहुंचा मंत्रीमंडल सादगी और संसाधन बचत का दिया संदेश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रिपरिषद की बैठक में शामिल होने के लिए रविवार को मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इलेक्ट्रिक बस से जगदीशपुर पहुंचे।

इस पहल के माध्यम से उन्होंने ईंधन की बचत, शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग और सुशासन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने अपना शासकीय वाहन और सुरक्षा काफिला मुख्यमंत्री निवास पर ही छोड़ दिया, जबकि मंत्रियों के व्यक्तिगत वाहन तथा पायलट और फॉलो वाहन का भी उपयोग नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री निवास से सुबह तीन इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से मंत्रिपरिषद के सदस्य और अधिकारी सामूहिक रूप से बैठक स्थल के लिए रवाना हुए। बैठक में शामिल होने वाले वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने वाहन कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में छोड़कर ई-बस से यात्रा की। सरकार ने इसे सादगी, सामूहिक कार्यसंस्कृति और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

मार्ग में पातरा पुल, लांबाखेड़ा और जगदीशपुर सहित कई स्थानों पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया तथा ई-बसों पर पुष्पवर्षा की गई। जगदीशपुर पहुंचने पर विधायक विष्णु खत्री ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जगदीशपुर दुर्ग में आयोजित धरोहर प्रदर्शनी का शुभारंभ कर उसका अवलोकन किया। प्रदर्शनी में जनजातीय नायकों, सुशासन और शौर्य से जुड़े ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के चित्र प्रदर्शित किए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनजातीय कलाकारों से संवाद भी किया।

प्रदेश के आसपास चार चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय

नप्र, भोपाल : मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान छतरपुर और पन्ना जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। वहीं जबलपुर, ग्वालियर सहित 34 जिलों में हल्की वर्षा अथवा बूंदाबांदी होने की संभावना जताई गई है। इसके विपरीत भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग के कई जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के आसपास चार चक्रवाती परिसंचरण और एक द्रोणिका सक्रिय है। इसी कारण शनिवार को भोपाल, नर्मदापुरम सहित कई जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई।

मप्र विधानसभा का एकादश सत्र आज से

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश विधानसभा का सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र सोमवार, 20 जुलाई से प्रारंभ होकर 24 जुलाई तक चलेगा। सत्र से पूर्व रविवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सत्र के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा के केंद्रीय सभागार में स्थापित पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी तथा नेताजी सुभाषचंद्र बोस के तैलचित्रों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा उपस्थित रहे। विधानसभा सचिवालय के अनुसार सत्र की अधिसूचना जारी होने के बाद अब तक 900 तारांकित और 856 अतारांकित सहित कुल 1756 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा 267 ध्यानाकर्षण, पांच स्थगन प्रस्ताव, 20 अशासकीय संकल्प तथा 77 शून्यकाल की सूचनाएं भी सचिवालय को प्राप्त हुई हैं। यह सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र होगा।

बलराम कृषि महोत्सव में किया संवाद आधुनिक खेती अपनाने का दिया संदेश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बलराम कृषि महोत्सव-2026 के तहत झाबुआ से ऑनलाइन माध्यम से किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार कृषि को लाभकारी बनाने, किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने प्रशासन को मौसम की संभावित चुनौतियों के मद्देनजर किसानों की हरसंभव सहायता के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'कृषक कल्याण वर्ष' के अंतर्गत प्रदेशभर में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत इंदौर से हो चुकी है और आगामी दिनों में आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर तथा खंडवा में भी कार्यक्रम आयोजित होंगे।

उन्होंने किसानों से समय पर फसल बीमा कराने, वैज्ञानिक सलाह अपनाने, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महोत्सव के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, डिजिटल कृषि सेवाओं, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई और शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। प्रदेशभर में यह अभियान 13 नवंबर तक जारी रहेगा।

सोनम वांगचुक के समर्थन में छात्रों का प्रदर्शन, आज होगी भूख हड़ताल

एसएफआई ने निकाली रैली, छात्रों ने एनटीए भंग करने और जवाबदेही तय करने की मांग उठाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सोनम वांगचुक के आंदोलन की गूंज अब राजधानी भोपाल तक पहुंच गई है। रविवार को छात्र संगठनों के साथ स्वतंत्र छात्र समूहों और अभिभावकों ने भी उनके समर्थन में रैली निकालकर प्रदर्शन किया। एसएफआई ने भारत भवन से प्रभात चौराहे तक रैली निकाली। इस दौरान छात्रों ने एनटीए को भंग करने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सोनम वांगचुक को इस प्रकार अपने साथ ले जाना उचित नहीं है।

वहीं, स्वतंत्र छात्रों और अभिभावकों के एक समूह ने बोर्ड कार्यालय चौराहे पर पोस्टरों के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को सुबह से शाम तक भूख हड़ताल करने की घोषणा भी की।

एक अभिभावक ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं से विद्यार्थियों के सपनों के साथ माता-पिता की वर्षों की मेहनत भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि हर परिवार अपने बच्चों को चिकित्सक, अभियंता, आईएएस और आईपीएस अधिकारी बनाने का सपना देखता है, लेकिन ऐसी घटनाएं उस विश वास को कमजोर करती हैं।

प्रदर्शन में शामिल एक छात्रा ने कहा कि केवल इस्तीफा ही समाधान नहीं है, बल्कि जवाबदेही तय होने से व्यवस्था में सुधार की दिशा मजबूत होगी। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेशभर के छात्रों और युवाओं से सोमवार की भूख हड़ताल में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

नारायण नगर से निकली शोभायात्रा, धर्मसभा में आचार्य विद्यासागर को किया श्रद्धापूर्वक नमन

चतुर्मास के लिए आचार्य समय सागर का मंगल प्रवेश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः चतुर्मास के अवसर पर आचार्य समय सागर महाराज का 20 मुनियों के संघ के साथ रविवार को भोपाल में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मार्ग पर एकत्र हुए।

श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में पूरे मार्ग पर जयघोष गूंजते रहे। नारायण नगर जैन मंदिर से निकली शोभायात्रा में महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु 'आचार्य विद्यासागर महाराज की जय' तथा 'आचार्य समय सागर महाराज की जय' के जयघोष करते हुए आचार्य संघ के साथ चलते रहे।

जैन समाज के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि नाके चौराहे पर मुनि निर्णय सागर महाराज, उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज तथा निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज सहित संघ ने आचार्य समय सागर महाराज की परिक्रमा कर चरण वंदना की। यह दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

शोभायात्रा में जीव दया, गोसेवा तथा हथकरघा को बढ़ावा देने वाली आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। निर्माणाधीन रानी कमलापति जिनालय की प्रतिकृति ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। विभिन्न मंदिर समितियों, महिला मंडलों, युवा मंडलों, सामाजिक समूहों, पाठशाला परिवार तथा दिव्य घोष दल ने गुरु भक्ति पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। अंशुल जैन के अनुसार भोपाल के साथ-साथ महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान तथा आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शहर के अनेक सामाजिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों ने विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच बनाकर आचार्य संघ का अभिनंदन किया। रानी कमलापति जिनालय पहुंचने पर भगवान आदिनाथ के दर्शन किए गए। इसके बाद आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं ने श्रीफल अर्पित कर अष्टद्रव्य से आचार्य श्री के गुणों की वंदना की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य समय सागर महाराज ने आचार्य विद्यासागर महाराज के दीक्षा दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि वे राष्ट्र निर्माण, संस्कृति संरक्षण और आत्मकल्याण के प्रेरणास्रोत हैं तथा उनके बताए आदर्श समाज को सदैव सही दिशा देते रहेंगे।

• दो दुखी ही समझ सकते हैं दर्द

पिछले कुछ दिनों से दो माननीय अपने ही दल और सरकार की कार्यप्रणाली से स्वयं को भारी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। अपने गिले-शिकवे दूर करने के लिए दोनों ने मुलाकात की, लेकिन चर्चा का लब्बोलुआब कुछ और कह रहा था, जबकि चेहरे कुछ और कह रहे थे।

• कहीं गुलाबों की महक भारी न पड़ जाए

पिछले दिनों एक माननीय के निजी कार्यक्रम में हुई गुलाबों की होली देखकर अच्छों-अच्छों को जलन होने लगी। जिस तरह पूरे क्षेत्र में तीन-चार ट्रॉलियों भर गुलाबों से होली खेली गई, उससे कहीं न कहीं किसी न किसी को सादगी, दिखावे से दूरी और तड़क-भड़क से दूर रहकर राजनीति करने की सीख के खिलाफ संदेश जाता नजर आ रहा है।

• जाते-जाते रह गए, समीकरणों ने बचा लिया

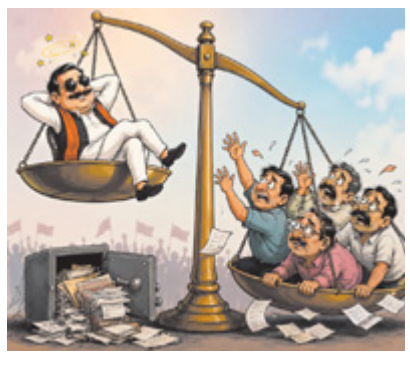

सरकार के मुखिया एवं संगठन के मुखिया की कड़ी सीख और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की हवा निकालने वालों की किस्मत अच्छी थी, क्योंकि एक बड़े प्रकरण में नाम आने के बाद भी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ सांकेतिक भाषा में समझाया गया। वजह चुनाव हैं और जिन पर कड़ी कार्रवाई होनी थी, उनकी जाति के वोट बैंक पर असर ने उन्हें बचा लिया।

• क्या आंसू बनेंगे अंगारे

पिछले दिनों एक पूर्व ताकतवर माननीय के साथ हुए बर्ताव की वजह से सार्वजनिक मंच पर बहाए गए माननीय के आंसुओं का हिसाब अब समर्थक आने वाले समय में अंगारों से दे सकते हैं। माननीय ने अपने लोगों को संबोधित करते हुए कहा है कि, 'मैं भूलता नहीं हूं, समय पर सबका हिसाब होगा।'

• जितनी सफाई, उतना फंसते जा रहे

पिछले दिनों सत्ताधारी दल के एक माननीय ने अपने और विभाग के अधिकारियों की आपसी खींचतान को सार्वजनिक कर दिया था। दोनों तरफ से मामले को जितना संभालने की कोशिश की जा रही है, उतना ही मामला बिगड़ता जा रहा है।

• भारी पड़ गया बयान, अब सफाई

लंबे समय से एक धनपति माननीय अपने किसी न किसी कारनामे के कारण, न चाहते हुए भी विवादों में घिरे नजर आ ही जाते हैं। पिछले दिनों उनके एक बयान ने भारी हड़कंप मचा दिया। सफाई देने के बाद भी उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com